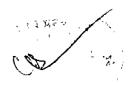


असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड ४—उप-चण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



0 258

नई बिल्ली, बुधवार, जुलाई 24, 1991/श्रावण 2, 1913

.io. 258]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 24, 1991/SRAVANA 2, 1913

इ.स. भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंद्रालय

श्रार्थिक कार्य विभाग

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 24 ज्लाई, 1991

सा. का. नि. 348(म्र):— केन्द्रीय सरकार, विदेणी मुद्रा विनियम म्रिधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 13 की उप—धारा (i) द्वारा प्रदेश मितियों का प्रयोग करते हुए भ्रौर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की भ्रिधिसूचना संस्था 12(ii) एफ 1 —48

तारीख 25 ग्रगस्त, 1948 को आंधिक रूप में उपान्तरित करते हुए यह ग्रादेश करती है कि 31 मार्च, 1992 तक,—

- (1) भारत सरकार की प्रभुजा के अनुसार दिल्ली, जयपुर, कलकत्ता, मद्रास ग्रौर बस्बई में स्थित विशेष निर्यातोन्सुकी समृहों में स्वर्ण ग्राभिषण के विनिर्माण के विष्, में स्थापित एककः और
- (2) फाल्टा, मद्रास. कोचीन सीप्ज ग्रीर नीएडा स्थित स्वतंत्र व्यापार क्षेत्रों में स्वर्ण ग्राभूषण के विनिर्माण के लिए स्थापित एकक, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा ग्रावात—निर्मात नीति 1990—1993 के ग्रध्याय 21, भाग 2, ग्रध्याय 22 ग्रीर ग्रध्याय 23 में ग्राव्मूचित स्कीम तथा ग्रायात निर्मात नीति 1990—93 में सर्वधित प्रक्रिया पृस्तिका के पैरा 398 के अनुमरण में, स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र में स्वर्ण ग्रामूषण के विनिर्माण के लिए विभेष निर्मात्तेमुख समृहों की स्थापना की ऐसी स्कीम के अनुमरण में जो भारत सरकार के बाणिज्य मैत्रालय द्वारा ग्राव्मूचित की जाए ग्राभूषण के विनिर्माण ग्रीर निर्मात के लिए भारत में सोने या चांदी में बनी हुई कच्ची सामग्री, मध्यवियों ग्रीर संघटकों का जिसके ग्रन्तर्गत सोना, स्वर्ण मिश्रधात्, केरेट, स्वर्ण रंगदार स्वर्ण, चांदी तथा सोने या चांदी के बने हुए साकिट, फेम, ग्रारोपण ग्रीर बंधनी हैं, ग्रायात कर सकते हैं; परन्त यह तब जबिक 0.999 श्याता का स्वर्ण भारतीय स्टेट बैंक के माध्य के मिवाए श्रायात के लिए ग्रनुगत नहीं किया जाएगा।

[फा. मं. 20/2/91—सी म्राई. ई (1)] नारायण बल्लुरि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th July, 1991

G.S.R. 348 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 13 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) and in particial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance No. 12 (11) F. 1/48 dated the 25th August, 1948, the Central Government hereby orders that till the 31st March, 1992 the units set up for manufacture of gold jewellery in (i) Special Export Oriented Complexes at Delhi, Jaipur, Calcutta, Madras and Bombay in accordance with the permission of the Government of India; (ii) the Free Trade Zones at Falta, Madras, Cochin, Seepz and NOIDA, may import into India raw materials, intermediates and components made out of gold or silver, including gold, gold alloys, carat gold, coloured gold, silver as well as sockets, frames mountings and findings made

of gold or silver for manufacturing and exporting jewellery in accordance with the scheme notified by the Govt. of India in the Ministry of Commerce in Chapter XXI, Part II, Chapter XXII and Chapter XXIII of the Import and Export Policy 1990-1993 and of the scheme for setting up Special Export Oriented Complexes for manufacture of gold jewellery in Free Trade Zones, as may be notified by the Govt, of India in the Ministry of Commerce pursuant to para 398 of "Handbook of Procedures" relating to the Import and Export Policy 1990-1993; provided that gold of 0,999 fineness will not be allowed for import except through State Bank of India.

[F. No. 20|2|91-CIE (I)] NARAYAN VALLURI, Jt. Secy.